S-VI
HRM
DSE-III

मानव संसाधन प्रबंधन की विशेषताएं एवं उद्देश्य
CHARACTERISTICS AND OBJECTIVES OF HRM

classmate
Date
Page

मानव संसाधन प्रबंधन का अभिप्राय एक संगठन के लोगों के प्रबंध संबंधी दर्शन, नीतियों प्रक्रियाओं तथा कार्यान्वयन के अर्थ में किया जाता है। मानव संसाधन प्रबंधन प्रबंध प्रक्रिया का एक भाग है जो किसी संगठन के अंतर्गत मानवीय संसाधनों के प्रबंध से संबंधित होता है यह लोगों के हार्दिक सहयोग द्वारा उनका उत्तम सहयोग प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। संक्षेप में यह किसी संगठन के लक्ष्यों को प्रभावशाली एवं कुशलता पूर्ण ढंग से प्राप्त करने हेतु सक्षम श्रम शक्ति को प्राप्त करने, विकसित करने तथा अनुरक्षित करने कि कला के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में मानव संसाधन प्रबन्ध (HRM) कर्मचारीयों तथा संगठन दोनों की प्रभावकारिता को उच्चतम बिन्दु तक ले जाने के उद्देश्य से अभिकल्पित एवं क्रियान्वित कार्यक्रमों, प्रक्रमों तथा क्रिया कलापों के एक समुच्चय से संबंधित होता है। इसे परिभाषित करते हुए S. Subba Rao ने बताया कि - मानव संसाधन प्रबन्धन का तात्पर्य लोगों की सेवा नियोजित करना उनके संसाधनों को विकसित करना तथा उनकी सेवाओं का उपयोग अनुरक्षण एवं क्षतिपूर्ति कार्य एवं संगठनात्मक आवश्यकताओं के साथ तालमेल बैठाते हुए करना है।

Stephen P. Robbins के अनुसार - मानव संसाधन प्रबंधन एक प्रक्रिया है जो चार गतिविधियों से बनी है मानवीय संसाधनों की प्राप्ति, उनका विकास, उनका अभिप्रेरण तथा उनका अनुरक्षण।

विशेषताएं - इन परिभाषाओं के आलोक में HRM की कुछ विशेषताएं स्पष्ट होती हैं जिनमें कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं -

1. मानव संसाधन प्रबंधन HRM ~~की एक~~ प्रबन्ध की एक विशेषीकृत शाखा है जिसका संबंध उत्पादन की एक बहुमूल्य संसाधन मानव शक्ति से है।

Scanned with CamScanner

2. HRM का संबंध समस्त प्रकार के ~~संगठनों~~ संगठनों जैसे व्यवसायिक और अव्यवसायिक राजकीय, वित्तीय तथा विपणन आदि से होता है।

3. HRM प्रबंधकों की संगठन के सदस्यों की भर्ती, चयन प्रशिक्षण विकास में सहायता करता है।

4. HRM प्रकृति से व्यापक है यह एक संगठन के प्रबन्ध के सभी स्तरों (निम्न, मध्य, उच्च) तथा सभी प्रकार के कर्मचारियों से व्याप्त सम्बद्ध होता है।

5. HRM एक निरंतर ~~चलनेवाली~~ चलनेवाली तथा कभी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया है।

6. HRM मानवीय संसाधनों की योग्यता कौशल सामर्थ्य एवं व्यक्तित्व के विकास की कला है।

7. HRM संगठन एव व्यक्तिगत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए लोगों ~~के~~ के अत्यधिक प्रभावी उपयोग करने से संबंधित है।

8. HRM का उद्देश्य कार्यरत व्यक्तियों को अधिकतम कार्य संतुष्टि प्रदान करना है जिससे कि वे संगठन को अपना सर्वोत्तम योगदान दे सके।

9. HRM के अंतर्गत कुछ निश्चित विश्वासों सिद्धांतो दर्शन कार्य योजनाओं व्यवहारों का पालन किया जाता है

10. HRM एक संगठन के अंतर्गत कार्यरत लोगों के व्यक्तिक एवं सामूहिक दोनो स्वरूपों से संबंधित होता है।

11. HRM कर्मचारियों की भर्ती चयन प्रशिक्षण एव विकास तथा वेतन नीतियों की एक व्यवस्थित प्रक्रिया के माध्यम से ~~प्रेरित~~ प्रेरित करता है

12. HRM कर्मचारियों को अपनी अंतः शक्ति विकसित करने तथा अपनी क्षमताओं का अधिकतम सदुपयोग करने में सहयोग करने से संबंधित होता है जिससे कि संगठनात्मक प्रभावशीलता में वृद्धि की जा सके।

13. HRM संगठन के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर कार्यरत लोगों के बीच सौहार्दपूर्ण संबधो के निर्माण एव उनके अनुरक्षण करने का प्रयत्न करता है।

उद्देश्य – HRM का प्राथमिक उद्देश्य संगठन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए योग्य इच्छुक एवं अभिप्रेरित मानवशक्ति की उपलब्धता को सुनिश्चित करना तथा उसका प्रभावी उपयोग करना है जिसकी प्राप्ति अन्य उद्देश्यों के माध्यम से की जाती है। जिनके कुछ प्रमुख निम्नलिखित है –

1. संगठन के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योग्य कुशल एवं प्रशिक्षित व्यक्तियों का चयन करना।
2. नवनियुक्त कर्मचारियों को कार्य एवं संगठन के विषय मे समुचित जानकारी एव प्रशिक्षण प्रदान करना
3. समुचित एव न्यायपूर्ण मजदूरी, प्रेरणाए, कर्मचारी लाभ कल्याण योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा चुनौतिपूर्ण कार्य के लिए मानको तथा वैयक्तिक मूल्यों जैसे – प्रतिष्ठा मान्यता सुरक्षा एव स्तर आदि के द्वारा व्यक्तिक एव सामूहिक आवश्यकताओं का अभिनिर्धारण एव उनकी पूर्ण रूपेण संतुष्टि प्रदान करना
4. प्रशिक्षण एव विकासात्मक कार्यक्रमों को उपलब्ध कराते हुए मानवीय संपदा को निरंतर दृढ़ता प्रदान करना तथा उसका मूल्यांकन करना जिससे संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उनका प्रभावकारी उपयोग करने मे सफलता प्राप्त की जा सके।
5. सुदृढ संगठनात्मक ढांचे एव संगठन के सभी सदस्यों के बीच इच्छित कार्य संबंधो को स्थापित करना तथा उसे बनाये रखना।
6. वैयक्तिक एव सामूहिक विकास के लिए सुविधाओ तथा अवसरों को इसप्रकार से उत्पन्न करना ताकि वे संगठन के विकास से मेल खाये।
7. कर्मचारी मे होनेवाले मनमुटावों एव मतभेदों के कारणों को दूर करने तथा उनमे भाईचारा बनाये रखने का प्रयास करना जिससे कि उनके बीच ठीक भाव का विकास हो सके।
8. कर्मचारीयों कि उत्पादकता को बढाने हेतु प्रेरणात्मक योजनाओं पर निरंतर विचार करना तथा उन्हे लागू करना

9. प्रबंधकीय निर्णयों में सहायता हेतु कर्मचारी व्यवहार का अनुसंधान करना साथ ही कर्मचारियों को प्रबन्ध में विचार अभिव्यक्त करने के अवसर प्रदान करना।

10. सामाजिक आर्थिक बुराइयों और बेरोजगारी, अर्द्धबेरोजगारी आय एवं धन में असमान वितरण आदि को कम करने के लिए विचार करना तथा सहायता करना और महिलाओं तथा समाज के साथ ~~विहि~~ विहीन वर्गों के लिए बेरोजगार के अवसरों ~~का~~ का प्रबन्ध करते हुए समाज कल्याण में अभिवृद्धि करना।

11. रोजगार की स्थिरता को बनाये रखने के लिए सुविधाओं एवं कार्य की शर्तों को प्रदान करना तथा अनुकूल वातावरण उत्पन्न करना

12. समुचित स्वीकार्य एवं कुशल कार्य नेतृत्व कि व्यवस्था करना।

13. कर्मचारियों के कार्य संतुष्टि तथा आत्म यथार्थीकरण को पूर्ण रूप से करना

14. कार्य गुणवत्ता को विकसित करना तथा उसे बनाये रखना

15. मानव संसाधन नीतियों की सूचना सभी स्तर के कर्मचारियों को प्रदान करना

16. आचरण एवं अनुशासन संबन्धी ~~नियमों~~ नीतियों एवं व्यवहारों को बनाये रखना

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि HRM के अनेक विशेषताएं तथा उद्देश्य है जिनमें कुछ प्रमुख उपर उल्लेखित है।